भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

22.07.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 515 का उत्तर

एबीएसएस के अंतर्गत राजखरसावां रेलवे स्टेशन की स्थिति

515. श्री काली चरण मुंडा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 6 अगस्त, 2023 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के अंतर्गत लगभग 30 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से राजखरसावां रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी थी, साथ ही, क्या स्टेशन भवन के पुनर्निर्माण, सभी प्लेटफॉर्मों पर लिफ्ट और एस्केलेटर लगाने, आवाजाही क्षेत्र के विकास, एक विशाल स्मारकीय ध्वज, हरे-भरे रास्ते और प्रतिमा स्थल जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित करने की घोषणा भी की गई थी, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त आधारशिला रखे जाने के इतने समय बाद भी, पुराना स्टेशन भवन तोड़े जाने के कारण यह परियोजना अधूरी पड़ी है, यात्रियों को भारी असुविधा हो रही है और अपेक्षित सुविधाएं अभी तक उपलब्ध नहीं कराई गई हैं, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार इस परियोजना की समीक्षा करेगी, निर्माण कार्य में तीव्रता लाएगी और समय पर काम पूरा करने के लिए पर्याप्त निधि की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): झारखंड में स्थित राजखरसावां स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित करने के लिए चिह्नित किया गया है। राजखरसावां स्टेशन पर विकास संबंधी निर्माण

कार्य अच्छी गति से किए जा रहे हैं। नए प्रतीक्षालय, नए शौचालय, पार्किंग, परिसंचारी क्षेत्र में सुधार, पहुंच मार्ग, प्लेटफॉर्म विस्तार, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, 12 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, लिफ्ट, एस्केलेटर, भसुदर्शनीकरण और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं सहित नए स्टेशन भवन का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

राजखरसावां स्टेशन पर उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म आश्रय, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, ऊपरी पैदल पुल आदि सुविधाएं उपलब्ध हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में परस्पर प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार निर्माण कार्य किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/अवस्था/संभाले गए यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना को दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ शुरू किया है।

अब तक, इस योजना के तहत 1340 स्टेशनों को विकसित करने के लिए चिह्नित किया गया है, जिसमें से राजखरसावां स्टेशन सहित 57 स्टेशन झारखंड में स्थित है। झारखंड में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
झारखंड	57	बालसिरिंग, बानो, बड़ाजमदा जंक्शन, बरकाकाना, बासुकीनाथ, भागा, बोकारो स्टील सिटी, चाईबासा,

		चक्रधरपुर, चाण्डिल, चंद्रपुर, डालटनगंज, डांगोवापोसी, देवघर, धनबाद, दुमका, गामहारीया, गंगाघाट, गढ़वा रोड, गढ़वा टाउन, घाटशिला, गिरिडीह, गोड्डा, गोविंदपुर रोड, हैदर नगर, हटिया, हजारीबाग रोड, जामताड़ा, जपला, जसीडीह जंक्शन, कतरासगढ़, कोडरमा जंक्शन, कुमारधुबी, लातेहार, लोहरदगा, मधुपुर जंक्शन, मनोहरपुर, मोहमदगंज, मूरी जंक्शन, एनएससीबी जंक्शन गोमोह, नगर ऊँटारी, नामकोम, ओरगा, पाकुड़, पारसनाथ, पिस्का, राजखरसावां, राजमहल, रामगढ़ कैंट, रांची जं., साहिबगंज, शंकरपुर, सिल्ली, सीनी, टाटानगर, टाटीसिलवे, विद्यासागर

<u>पूरे किए गए स्टेशन:</u>

झारखंड में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास संबंधी निर्माण कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं। झारखंड में पूरे किए गए स्टेशनों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों का नाम
झारखंड	15	चाईबासा, चाण्डिल, गिरिडीह, गोड्डा, गोविंदपुर रोड, कतरासगढ़, लोहरदगा, मधुपुर जंक्शन, मूरी जंक्शन, पाकुड़, पिस्का, राजमहल, रामगढ़ कैन्ट, साहिबगंज, शंकरपुर

अन्य स्टेशनों पर विकास की गतिविधियाँ भी तेज गति से शुरू की गई हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति इस प्रकार है:

- **बानो स्टेशन: स्टेशन भवन में सुधार, रोशनी, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रवेश एवं निकासी गेट, पहुंच मार्ग, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, परिसंचारी क्षेत्र में सुधार, पार्किंग और पीने के पानी के बूथो का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। मौजूदा ऊपरी पैदल पुल के लिए रैंप का निर्माण कार्य और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **ओरगा स्टेशन: स्टेशन भवन में सुधार, रोशनी, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रवेश एवं निकासी गेट, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, परिसंचारी क्षेत्र में सुधार और पीने के पानी के बूथों का कार्य पूरा किया जा चुका है। दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **भागा स्टेशन: प्रतीक्षालय में सुधार, नए प्रतीक्षालय, प्रवेश द्वार बरामदा, रैंप, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, पार्किंग, शौचालय, पानी का बूथ, बुकिंग कार्यालय और चाहरदिवारी का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। दिव्यांगजनों के लिए लिफ्ट और सुविधाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **बोकारो स्टील सिटी स्टेशन: स्टेशन भवन में सुधार, नया प्रतीक्षालय, प्रवेश द्वार बरामदा, विश्रामालय और शयनशाला में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, बुकिंग कार्यालय, रैंप, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, परिसंचारी क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, पानी के बूथ और पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। एस्केलेटर का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **रांची स्टेशन: नए स्टेशन भवन में दूसरे प्रवेश द्वार (दक्षिण दिशा) का संरचनात्मक कार्य, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म और 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के विस्तार का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है। नए स्टेशन भवन का परिष्करण कार्य और ऊपरी पैदल पुल के विस्तार, प्रवेश द्वार बरामदा, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिसंचारी क्षेत्र में सुधार,**

पार्किंग, नया 6 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, विद्युत उपकेंद्र, भूमिगत जल भंडारण टैंक और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य शुरू किया गया है।

भारतीय रेल के स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना में मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका कार्यान्वयन शामिल है। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए मास्टर प्लान बनाने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- स्टेशन और परिसंचारी क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- स्टेशन का शहर के दोनों तरफ के साथ एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/भूमिगत मार्ग की व्यवस्था
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प की व्यवस्था
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एक्ज़ीक्यूटिव प्रतीक्षालय, मल्टीमॉडल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधानों आदि; और दीर्घावधि में रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के सृजन की संकल्पना भी की गई है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है, जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए पेड़ों की कटाई, धरोहर, दमकल विभाग की स्वीकृति, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियाँ अपेक्षित होती हैं। ये स्टेशन काफी लंबे समय से परिचालित हो रहे हैं इसलिए जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करने, अतिलंघनों, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड कार्य संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और ये कारक कार्य की प्रगति और समापन समय को प्रभावित करते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल कार्यालय-वार रखा जाता है, न कि स्टेशन-वार या राज्य-वार। झारखंड तीन रेलवे जोन, अर्थात् पूर्व रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन जोनों के लिए, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1,199 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक 526 करोड़ रुपए का व्यय (जून, 2026 तक) किया जा चुका है।

******